










खेल-खेल में जाने बालिका शिक्षा की बाधाएँ एवं समाधान

100	अक्सर और सपने अक्सर रह जाते अधूरे	97	शिक्षा की कमी से बेटियाँ अपना हक नहीं पाती।	95	आली बटुआ बेटी के ही रास्ते की रुकावट क्यों?	93	सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाया, बेटी को खूब पढ़ाया।	91	
81	82	83	84	85	86	87	88	89	90
80	 बालिका शिक्षा योजना	78	77	माँ बेटी की चुप्पी और करते पढ़ाई से दूर	75	 कोशिकता विकास	73	72	
	62	पढ़ाई बनाने की ऐसी भी क्या नब्दी?	64	65	66	67	68		
60	59	58	बेटा-बेटी एक समान, पा सकते हैं बराबर ज्ञान	56	55	54	परिवार का बोझ करता बेटी को आगे बढ़ने पर रोक	52	51
41	42	44	45	बेटी पढ़ न सके तो गढ़ सके, आमदनी के साधन चुन सके।	48	49	50		
अच्छा भोजन, शिक्षा और ज्ञान बेटी को बनाये महान।	39	38	37	लड़कों की मस्ती और छेड़छाड़	35	 बालिका समृद्धि योजना	32	बेटी है स्वर्गकी सीढ़ी वह पढ़ेगी तो बढ़ेगी अगली पीढ़ी।	
21	22	23	24	25	26	27	29	30	
	19	18	पढ़ी लिखी बेटी अन्य महिलाओं को भी सशक्त बनाती है।	16	15	14	13	12	
1	2	बेटियों की पढ़ाई में बनती बाधा	4	5	7	अच्छे अभिभावक कहलायेंगे, जब बेटी को शिक्षा और मिड-डे मील दिलवायेंगे।	संस्कारों का बोझ लिए फिरती बेटी आगे न बढ़ती	समृद्धि के खोले द्वार, बेटी के हक में है सरकार।	

आथो खेल खेले, साथ में जरूरी जानकारी में

शिव नन्दी, सचिवों को जॉय सीडी का यह खेल मनोरंजन के साथ-साथ जानकारी का स्रोत है। इस खेल को खेलते समय ध्यान रखें कि साँप के मुख पर लिखी बातें पढ़ना बचकार है। जिनके बहुत ही गर्मियर पुष्पसिंह साँप की पूंछ पर लिखे हुए हैं, इन्हीं तक सीडी के शुरूआती खेल पर लिखी बातें सही प्रकार हैं जिनके अपने परिणाम सीडी के ऊपरी ओर पर लिखे हुए हैं। खेल खेलते समय निम्न जगहों पर ध्यान (नोट) देने पर आपस में चर्चा अवश्य करें।

- कंक** **चर्चा हेतु बिन्दु**
- 8 जिनकाक भी भोजन और शिक्षा का घर ध्यान दें और पुष्पसिंह से बचें।
 - 10 बालिका समृद्धि योजना में क्या जन्य पर 600 रुपये तथा खाना उपयुक्ति मिलती है।
 - कक्षा 1 से 3 तक 300 रुपये
 - कक्षा 4 के लिए 500 रुपये
 - कक्षा 5 के लिए 600 रुपये
 - कक्षा 6 और 7 के लिए 700 रुपये
 - कक्षा 8 के लिए 800 रुपये
 - कक्षा 9 व 10 में 1000 रुपये
 - 17 शिक्षित बेटी अपना अधिकार जानती है सरकार भी विकास लक्षी कर सकती है जब अर्धी अर्धी की आगे आए और योगदान करें।
 - नहिलकों को न केवल पढ़ना चाहिए बल्कि शिक्षा का उपयोग योजना में भी करें ताकि देश चम्की करें।
 - 28 समाज में यह आते हैं लड़कियों को पुष्पसिंह में सब होना ही चम्की जालक्या है जबकि बेटी को पढ़ाई व कम्पाई में सब होना चाहिए।
 - 31 एक पढ़ी लिखी माँ अगली पीढ़ी को भी शिक्षित और शिक्षित करती है जिससे देश चम्की करता है।
 - 36 लड़कों मस्ती में आते ही बहन को छोड़ते हैं जिससे यह भी अपनी बहन की पढ़ाई रोकता है।
 - 40 बेटी बम्बळो बेटी पढ़कों में अन्धक भोजन व आइएन की शक्तियाँ तथा माहाकरी के लिए सेन्ट्रल नैफिन भी प्रदान किया जाते हैं।
 - 46 सरकार ने हर ब्लॉक में कौशल विकास केंद्र खोले हैं ताकि बेटियों को अधिक रूप से आत्म निर्भर बन सकें।
 - 53 बेटियों पर बचपन से ही परिवारिक एवं पूंछ कार्य, बाल विवाह, बाल मजदूरी का बोझ डाल दिया जाता है जिससे वे पढ़ाई में रिजक्त करती हैं।
 - 57 शिक्षा का अधिकार मिले इसलिए हर गाँव में प्राथमिक स्कूल खोले गए हैं ताकि बेटियों पढ़ लिख सकें।
 - 63 बाल विवाह कानूनी रूप से बेटी का 18 वर्ष व बेटे का 21 वर्ष बाद ही विवाह हो सकता है इससे उनको शारीरिक मनसिक और आर्थिक शोषण होता है।
 - 71 सरकारी द्वारा DBT के माध्यम से पुष्पा ट्रेन व कॉपी किया जाता है।
 - 76 किशोरियों की पढ़ाई प्रेरकता के कर से छुट्टा देते हैं पर उन्हें केवल नंबर 1000 और 1000 की जानकारी दें।
 - 94 बेटियों की शिक्षा स्वास्थ्य पर कम लागत लगाई जाती है उनको सरकारी सुविधाओं से जोड़े जैसे WAIS, 14 वर्ष तक जिनपर्य्य एवं मुफ्त शिक्षा।
 - 96 शिक्षा की कमी से वे अपने हक जैसा सामान मजदूरी, संगीत में मजदूरी, स्त्री धन आदि के बारे में नहीं जानती।
 - 99 बेटी से मेलाप है जैसा जन्म लेना, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, संगीत में हिस्सेदारी।